



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उर्ध्व-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

13
26/1/1988

सं. 384]
No. 384)

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, चूमार्द 14, 1988/प्रावाह 23, 1910
NEW DELHI, THURSDAY, JULY 14, 1988/ASADHA 23, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन की रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतन परिवहन मंत्रालय

(पर्मन पथ)

नई दिल्ली, 14 चुमार्द 1988

शिल्पमंत्री

मा. का. नि. 786 (प्र).—केन्द्रीय सरकार, महापरिवहन व्याप अधिनियम, 1963 की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए उत्तर प्रविनियम की धारा 123 द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए सुरक्षाकृ पतान के घासी संडल द्वारा बनाए गए सुरक्षाकृ पतान व्याप जहाजों की शिल्पसंस्था और विक्री विनियम, 1988 को जो इस अधिसंचया के माध्यम संबंधन अनुसूची में लिखित है तथा जिसका प्रकाशन जोवा सरकार के राजपत्र में 18 अप्रैल, 1988 और 22 अप्रैल, 1988 को हुआ था, अनुमोदित करती है।

[मा. सं. परि. धारा. 16012/6/88 पी० च००]

योगेन्द्र नारायण, संयुक्त मंत्रिव

मनुसूची

प्रमुख पतन न्याय अधिनियम, 1963 की धारा 124 (2) के साथ पठित धारा 123 द्वारा प्रदत्त शर्तियों का उपयोग करते हुए मनुसूचल एवं धारा लिखित विनियम बनाता है। यथा—

(1) संवित नाम ओर प्रारम्भ—

1. इन विनियमों को मुख्यालय पतन न्याय (जहाजों का आलोग अवधारणारूप पदा विक्री) विनियम, 1988 कहा जाएगा।

2. मेरे विनियम उप तारीख से प्रभावी होंगे जिन तारीखों को केन्द्रीय सरकार का प्रत्योक्ष विनियम अवधारणारूप सरकारी गज़ीपत्र में प्रकाशित होना है।

(2) नाम हांगा—

ये विनियम उन नमी अहाजों पर लागू होंगे, जिनके बारे में प्रमुख पतन न्याय अधिनियम, 1963 अवधारणा कोई विनियम अवधारणा इसके तहत बनाये गये आदेश के तहत कोई दर अवधारणा जुर्माना अवधारणों की अदायती करती है, किन्तु केन्द्रीय सरकार अवधारणा राज्य सरकार के है अथवा इनकी सेवा में है अवधारणा किसी विवेदी राज्य के अंतर्गत जहाज पर ये विनियम लागू नहीं होंगे।

(3) परिमाणां :

इन विनियमों में जब हक कि संदर्भ से इन्हें अवैधित न हो :

- (1) "भ्रष्टाचारियम्" का अर्थ प्रत्युषं पतन ध्यात्र भ्रष्टाचारियम्, 1963 (1963 का 38) है,
- (2) "उप संरक्षक" का अर्थ मुख्य पतन ध्यात्र के समूही विभाग में फिलहाल प्रभारी अधिकारी और इसमें उप संरक्षक के उप अधिकारी सहायक भी शामिल हैं; तथा उप संरक्षक के प्राधिकार के तहत कार्य कर रहे कोई तूसे अधिकारी हैं;
- (3) "फार्म" का अर्थ इन विनियमों के साथ संलग्न फार्म है;
- (4) "दर" का अर्थ अधिनियम के अधीन भवा किये जाने वाले दर अथवा जुमानी है;
- (5) इस विनियम में प्रयुक्त शब्द और वाक्यांश किन्तु जिन्हें कि इसमें प्रत्याखित नहीं किया गया है और अधिनियम में परिभ्राष्ट किया गया है, तो इन शब्दों और वाक्यांशों का अर्थ बही होगा, जो अधिनियम में दिया गया है।

(4) जहाजों का आसेध प्रथवा संरोधः—

- (1) कोई भी ऐसा जहाज जो दर/प्रण भवा की अधिकारी किये जिन्होंने इसमें रुका हुआ है, तो चूक करने वाले जहाज के मास्टर के नाम फार्म-1 में उन संरक्षक डिमाण्ड तैयार करेगा कि इस डिमाण्ड को तैयार करने की तारीख से 7 दिन के भीतर सभी दर अथवा दण्ड मास्टर पतन को अदा करें;
- (2) संबंधित जहाज के मालिक अथवा एजेंट के नाम तैयार और जिसकी की अदायगी मण्डल के नाम वाली है की कथित डिमाण्ड में दर अथवा दण्ड के अधीरों के साथ डिलों की एक प्रति संलग्न होगी;
- (3) कथित डिमाण्ड को मास्टर पर तामील करना होगा और मास्टर उपरबंध न होने पर जहाज के मस्तूल पर डिमाण्ड नोटिस को विपक्षाने को डिमाण्ड नोटिस मास्टर पर तामील किया गया माना जाएगा।
- (4) मास्टर के नाम नैगर डिमाण्ड नोटिस में लेखित तारीख के भीतर दूसरकारी भूजाज का मास्टर दर/प्रण अथवा इसके अंग का भुगतान करने से इनकार करता है अथवा लापत्तवाही करता है, जहाज और इसके टेका, अपारेल और फर्मेंचर अथवा इसके अंग को आसेध अथवा संरोध करने की कार्रवाई मण्डल करेगा और जहाज को तृव तक रोके रखेगा जब तक कि मण्डल को देय रकम और इसके साथ जहाज के आसेध अथवा संरोध की अवधि के भीतर अब रकम मण्डल को अदा नहीं किया जाता है।

- (5) चूकता जहाज के आसेध अथवा संरोध के लिए उप संरक्षक फार्म-1 में यह स्पष्ट करते हुए बारंट जारी करेगा कि जहाज का आसेध या संरोध तब तक जारी रहेगा जब तक कि मण्डल के संपूर्ण संतोषजनक रूप में मण्डल को देय रकम तथा इसके साथ दर अथवा दण्ड और लागत को जमा रकम मण्डल को अदा नहीं करती है।

- (6) (क) संरोध का बारंट जहाज के मास्टर पर तामील की जाए और इसका एक प्रति जहाज के मस्तूल पर चिपकाई जाए।

- (ख) यदि मास्टर उपरबंध नहीं है अथवा बारंट की तामील से इसके कोई चेष्टा करना है, तो जहाज के मस्तूल पर बारंट की प्रति विपक्षाने को मास्टर पर बारंट नमिल किया जाना गया माना जाएगा।

(7) यदि कथित दर/प्रण अथवा जहाज के आसेध अथवा संरोध अथवा इसे रखने की लागत जहाज की जबली अथवा संरोध के पांच दिन के भीतर मण्डल को संतोषजनक रूप में जहाज का मालिक अथवा मास्टर भुगतान नहीं करता है, तो इस प्रकार आसेध अथवा संरोध जहाज प्रथवा अन्य घोरों का मण्डन करेगा।

(8) यदि विवेशी जहाज का आसेध या संरोध किया गया हो तो उस देश के दूसरांचास और भारत सरकार के जलमूल परिवहन मन्त्रालय को भी इसकी सूचना दी जाएगी।

5. आसेध अथवा संरोध जहाज की विधीः—

(1) आसेध जहाज की आरम्भित विधी मूल्य का पना लगाने के लिए उप संरक्षक मन्त्रालयप्राप्त सर्वेक्षकों द्वारा जहाज का मूल्यांकन करायेगा।

(2) जहाज और टेकल और इसके अपारेल और फर्मेंचर विधी के लिए रखने से पहले उप संरक्षक इस संबंध में मध्यनिवेशक, शिपिंग की अनुमति प्राप्त करेगा।

(3) अस्तुओं की विधी अधिनियम, 1930 के प्रावधारों और निविदा सूचना के अनुसार विधी शर्तों के अनुसार विधी की जाएगी।

(4) फार्म-III में दिये अनुसार प्रत्याखित लेनाओं के मूल्यरूप निविदाएं समाचार पत्रों में विज्ञापन देकर सांकेता जाएगा। यह विज्ञापन करने से कम चार प्रमुख समाचार पत्रों में दिया जाएगा, जिसमें हिन्दी और एक श्रेष्ठीय भाषा दैनिक भी शामिल है। इस विज्ञापन में निविदा प्राप्त करने की अंतिम तारीख में दी जाएगी।

(5) समाचार पत्रों में विधी की नोटिस प्रकाशित करने के बाद उप संरक्षक द्वारा नियत विनिविष्ट अवधि में प्रत्याखित लेनाओं को भहाज का निरीक्षण करने की अनुमति दी जाएगी।

(6) प्रत्येक निविदा के बाय उप संरक्षक द्वारा नियत प्रत्येक मासने में बयान दिया जाएगा, जिसे कि बैंक ड्राफट द्वारा भुगतान किया जाएगा।

(7) अंतिम तारीख और समय के बाद प्राप्त निविदाओं को बिलकुल खोकार नहीं किया जाएगा।

(8) निविदाओं को खोलने के लिए उप संरक्षक द्वारा नियत तारीख और समय पर उपस्थिति निविदाकारों की उपस्थिति में निविदा खोली जाएगी और निविदा खोलने के लिए नियत तारीख को कोई निविदाकार उपस्थिति नहीं रहता है, जिन कोई कारण दिये और खोले निविदा अस्तीकार की जाएगी।

(9) आफर स्वीकार करने की सूचना विज्ञप्ति निविदाकार को भी जाएगी।

(10) विज्ञप्ति निविदाकार अपने द्वारा लगायी गई खोली का 25 प्रतिशत रकम निविदा स्वीकार करने की तारीख से 5 दिन के भीतर और ऐसे रकम इस तारीख से 15 दिन के भीतर अदा करेगा। निविदाकार निविदा मूल्य के साथ साथ उप संरक्षक द्वारा जालान रकम के रूप में लेखित मूल्य के लिए रकम बैंक गारंटी में देगा, जिसे कि सफल समापन के बाद तीन महीनों के भीतर बाल्स किया जाएगा। तथापि इस जमा रकम पर दाया कोई ब्याज नहीं दिया जाएगा।

(11) निविदा स्वीकार करने की तारीख से 5 दिन के भीतर खोली की 25 प्रतिशत रकम अदा न करने पर विधी, जब तक अस्थाया आदेश नहीं दिया जाता है, अपने याप रह हो जाएगा और बयान दिया जाएगा।

किया जाएगा और जहाज को फिर से विक्री निविदाकार की जोखिम पर बेचा जाएगा, जिसकी निविदा स्वीकार की गई थी।

(12) किसी भी कारण यदि जहाज को हारवर से 30 दिन के भीतर हटाया नहीं जाता है, तो पतन की दर सूची में प्रावधान किये गए प्रमुख साधारण शुल्क के अधिक प्रतिरिक्षित घाट भाड़ा शुल्क बढ़ावा जाएगा।

(13) केता को हर हालत में हारवर के भीतर अथवा पतन की सीमा में जहाज को विष्णुपुर्ण अथवा तोड़ने की अनुसन्धि नहीं दी जाएगी जब तक कि अन्यथा विशेष अनुपति नहीं दी जाती है।

(8) जहाज के केता के दायित्वः—

(1) निविदा स्वीकार करने की तारीख से सभी दर/धण्ड तथा अन्य शुल्क केता के खाते में छान दिये जाएंगे।

(2) निविदा स्वीकार करने पर केता को उप संरक्षक द्वारा 30 दिन के लिए आक्षित पतन शुल्क, फीस, तथा शुल्क के रूप में रकम जो कि इस प्रकार को प्रतिधि के लिए देय है, जो पतन के पास जमा करना होगा।

(3) सीमा तथा उत्पादशुल्क, विशेष कर, स्थानों पर कर प्राप्त केता के खाते में डाले जाएंगे और इस प्रकार को शुल्क और करों का वह भुगतान सम्बन्धित प्राधिकारी को करेगा और पतन द्वारा जहाज की निकासी मंजूर करने से पहले इस प्रकार निये गये भुगतान की रसीदें केता पतन के नवम प्रस्तुत करेगा।

(4) (क) निविदा स्वीकार करने के तरलाल बाब्र केज़द जहाज की देख-रेख और अनुसरण के लिए प्रमाणक मास्टर, प्रमाणक प्राधिकारी और प्रमाणक इनानियरों सहित काफ़ी कर्मचारी भी उप प्रबंधि सक तैनास करेगा जब तक कि जहाज हारवर के भीतर होता है।

(ख) यदि जहाज की देख-रेख और अनुसरण का प्रबंधि केता द्वारा नहीं किया जाता है, तो इस प्रयोगत के लिए पतन प्राधिकारी उचित व्यक्तियों को भाड़े पर लेगा और इस पर होने वाले सभी उचित खर्च केता से वर्षूता जावेगा।

फार्म-I

[दख्ले विनियम-4(1)]

सेवा में,

मास्टर,

एम. बी./एस. एस.

विषयः—एम. बी. दर/धण्ड—दर/धण्ड का भुगतान न करना—तकाल की सुगतान न करना—तकाल की सुगतान की माँग करते हुए नोटिस जारी करता

महोदय,

कृपया मेरे उपर्युक्त पत्र को देखें। आपसे अनुरोध है कि प्रमुख पतन न्यास प्रधिनियम, 1965 के नामान / इसके तहत यदि मेरे विनियम और प्रावेणी के तहत देय निम्नलिखित दरों/ दरों के बाजार दिनांक तक के लिए रु. 1/-

रकम का भुगतान पतन की दिनांक पर दर/धण्ड के बाजार मांगी गई पतन का दर सूची के लिए अब तक आपके द्वारा कोई कदम नहीं उठाया गया है। दिनांक की रकम आपके द्वारा जहाज से रु. 1/- की रकम बकाया है।

1. -----
2. -----
3. -----

जहाज के मास्टर, अथवा एजेंट के रूप में उत्तराधिकारी दर/धण्ड के बाजार मांगी गई पतन का दर सूची के लिए अब तक आपके द्वारा कोई कदम नहीं उठाया गया है। दिनांक की रकम आपके द्वारा जहाज से रु. 1/- की रकम बकाया है।

2. अर्थात् बकाया का भुगतान करने के लिए आपको नोटिस दी जाती है और इस नोटिस वी प्राप्ति के सात दिन के भीतर बकाया का वा भुगतान करें और ऐसा तरह करने पर जहाज और टेहान तथा इसके अधारेल पर्यावरणीय तरलाल तथा इसके प्रति दर/धण्ड के लिए प्रमुख पतन न्यास प्रधिनियम, 1963 की धारा-64 के प्रावधानों द्वारा लागू किया जाएगा। तथा इसे तब तक रोक कर रखा जाएगा जब तक कि मार्गल को देय बकाया रकम, जिसमें जहाज के आत्मेत्य अवधारणा तंत्रों की अवधि के बीच जमा रकम भी शामिल है, का भुगतान नहीं किया जाए। है।

महोदय,
उपसंस्थाक

प्रतिनिधि: (1) संघर्षी यात्रिक एम. बी.

(2) संघर्षी एजेंट जहाज

फार्म-II

[दख्ले विनियम-4(5)]

सेवा में,

मास्टर,
एम. बी./एस. एस.

विषयः—णियिग एम. बी. दर/धण्ड का भुगतान न करना आवेदन मार्गल जारी करता;

संदर्भः—मेरा दिनांक का समांकाक पत्र।

महोदय,

कृपया मेरे उपर्युक्त पत्र को देखें। यारे त्रावों नियम जारी हैं कि दिनांक तक के लिए दर/धण्ड के बाजार मांगी पतन न्यास की देख-रेख दर सूची दर सूची की रकम विनांक तक सुगतान करें। जहाज के मास्टर अथवा एजेंट के रूप में दिनांक की भाड़े गई दर/धण्ड के लिए आपके द्वारा सूचित किया जाता है कि आपके अधीन जहाज से दिनांक तक के लिए दर/धण्ड के आवत्त करीज है। की रकम बकाया है।

मण्डल का देय उपर्युक्त दस्तावेज को भूगतान न करने का व्याप में रहते हुए, प्रमुख पत्रिका न्यास अधिनियम 1963 की धारा-64 के प्राकाशनों के तहत प्रदल अधिकारी का प्रयोग करते हुए मैं इसके द्वारा प्रदल परिवर्तन करता हूँ कि जहाज एम० थी। को इसके द्वारा प्रत्येक किया जाता है और हमें सब तक रोक कर रखा जाएगा, जब तक कि मध्यस्तक को देव रखा, जिसमें जहाज के आसेष और रोके रखने की अपील के दौरान अभा रकम शामिल है, का भूगतान नहीं होना चाहा है।

कृपया मोर्च करें कि आसेष यादेग की तारीख (ग्रन्ति) — से 5 दिन के भीतर उड़ाना रकम और त्रस्तव वी भागत का भूगतान नहीं किया जाता है, तो कियत अधिनियम की धारा - 64 के तहत प्रदल अधिकारी के नहुत उपर्युक्त अवाज की विक्री करने के लिए मैं बाधकर हुंकरा और बिक्री को भाव को मण्डलत को देय भुक्तों के बावजूद, जिसमें जहाज की विक्री की उपलब्ध स्तरी शामिल है, मर्जन किया जाएगा।

सम्बद्धाय

उप संरक्षक

प्रतिलिपि

- (1) संख्या सालिक, प्रम. वी.
- (2) अर्पिता एजेंट, जहाज

फार्म—III

[दस्तावेज विविधग्रन्ति—5(4)]

विज्ञापन :

प्रमुख न्यास अधिनियम, 1963 की धारा —61 दाया प्रदल अधिकारी का प्रयोग करते हुए “जहां है तैसा है” प्रावधार पर जहाज एम० थी। जहाज की विक्री के लिए पत्रिका न्यास में इंडियन एन्ड ऑफिस रकम का प्रतिशत नहीं दिया जाएगा।

2. जहाज का भवितव्य विवरण इस प्रकार है:

जहाज का नाम: —

निर्णय: वर्ष: —

जो आर.टी.

एते घरन टी.

सम्बाहि

चौड़ाव

हुवाव

कुस धारिया

कांगोकरण

उपलब्ध

वी. एच. वी.

ए. ए. टी. टी.

निर्माण वर्ष:

वर्ष

3. उपर्युक्तक, — पत्रिका न्यास को देखने वाले मैं पहले युरेनियम निकाकों में प्रकरो को अवैतित किया जाता है। इसके साथ — के पक्ष में — (ध्यान) पर दैर बैक ड्रॉफ्ट के स्पष्ट में — (रुपए) का बचाव धन में भेजता जाता है। निकाकों पर ऐसे वे की अनीद के लिए निविदा जिसका निविदा प्रदृश करें।

4. निविदा, जो अंतिम तारीख और समय के बावजूद प्राप्त है, उन्हें स्वीकार नहीं किया जाएगा।

5. जहाज की अग्रीद के लिए नुहुरबंद निविदाका को उप संरक्षक पत्रिका न्यास की उपलियति में उसके कर्मालिय में जोनी जाएगी। वित्ती विविदकारों की ऑफिस स्वीकार करने की सूचना दी जाएगी।

6. निविदा स्वीकार करने की अग्रीद से पांच दिन के भीतर निविदाकार को उसके द्वारा लाई नहीं थोकी का 25 प्रतिशत रकम का भूगतान करता होगा और येप उस तारीख से 15 दिन के भीतर भूगतान की जाएगी। ऐक गारंटी स्वीकार नहीं किया जाएगा। निविदा को स्लोकारने की तारीख में पांच दिन के भीतर थोकी की 25 प्रतिशत रकम का भूगतान न करने पर, जब तक कि अव्यव्याप्त अवैत नहीं दिया जाता है तिविदा आपने अपने गद्द हो जाएगी और यावे को जिसकी विविदा स्वीकारी गई थी, को जाखिम और लाभत पर बहाज को फिर में बिक्री की जाएगी। निविदा स्वीकार करने की तारीख से 15 दिन के कमित समय के भीतर बिक्री को योग रकम का भूगतान न करने पर बिक्री आपने गद्द हो जाएगी और उसके बाबता धन की जासी की जाएगी। पहले ही भूगतान की गई 25 प्रतिशत की रकम को कमित फिर से बिक्री करने से उत्पन्न किया कर्मी प्रवाह प्रन्व खर्चों को पूरा करने के लिए रखी जाएगी।

7. सामा, उत्पाद शुल्क और भ्रावात गुल्क बिक्री कर स्थानज्य कर आदि शेतों के “लेला” में जमा होगा।

8. विविदओं को विवाक्षण को विवाक्षण के उप संरक्षक पत्रिका न्यास की उपलियति में जोनी जाएगा और विक्री विविदा को स्लोकारने करने पर उप संरक्षक पत्रिका न्यास के एकमात्र स्विवेक पर होगा।

9. जहाज को बिक्री का तारीख से 30 दिन के भीतर पत्रिका न्यास से हटाना होगा। इस प्रवाधि के दौरान जहाज की रेस्टरेश और प्रत्यक्षण के लिए प्रामाणित मास्टर, प्रामाणिक अधिकारी और प्रामाणिक इंजीनियरों सहित पर्याप्त कर्मालिय की नियुक्ति की जाएगी। इसका प्रवन्ध फेना करेगा।

10. प्रमुख परतन व्यापास (जहाज का भारीधर अवधार संरोध और विक्री) विनियम, 1987 के अनुसार जहाज की विक्री की तारीख से जहाज ने हारखर से तानाव में हटाने की तारीख तक उसी दर/दण्ड का भुगतान करेगा।

11. दूर हालत में जहाज यो दूर अवधार व्यापास परतन की भीमा के भीतर विवरित करने की शुल्कता क्रेता को तभी दी जाएगी, जब तक कि अन्यथा इस प्रकार करने की शुल्कता दी गई थी।

12. उप संचाक के साथ पहले ही नियोजित कर दिया जाने के समय से फिरक सक जहाज, जो कि उप संचाक पर कष्ट के कानूनी विवरण किया जा सकता है।

13. परतन को यह अधिकार होगा कि वह इसी प्रमुख अवधार गवर्नर नियोजितों द्वारा वित्त कोइ कारण वज्रपे अस्थोकार कर सकता है।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

New Delhi, the 14th July, 1988

NOTIFICATION

G.S.R. 786(E)—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 124, read with sub-section (i) of section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approve the Mormugao Port Trust (Distraint or Arrest and Sale of Vessel) Regulations, 1988 made by the Board of Trustees of Mormugao Port in exercise of powers conferred on them by section 123 of the said Act, and published in the Government of Goa Gazette dated 18th April, 1988 and 22nd April, 1988 and as set out in the Schedule to this notification.

[F. No. PR-16012/6/88—PG]

YOGENDRA NARAIN, Jt. Secy

SCHEDULE

In exercise of the Powers conferred by section 123 read with section 124 (2) of the Major Port Trusts Act, 1963, the Board hereby makes the following regulations, namely:

1. Short title and commencement: (i) These regulations may be called the Mormugao Port Trust (Distraint or Arrest and Sale of Vessel) Regulations, 1988.

(ii) They shall come into force on the date of publication of the approval of the Central Government in the Official Gazette.

2. Application: These regulations shall apply to all vessels in respect of which any rates or penalties

or both are payable under the Major Port Trusts Acts, 1963 or under any regulations or orders made thereunder, but shall not apply to vessels belonging to, or in the service of, the Central Government or a State Government or any vessel of war belonging to any Foreign State.

3. Definitions: In these regulations, unless the context otherwise requires:

- (i) "Act" means the Major Port Trust Act, 1963 (38 of 1963);
- (ii) "Deputy Conservator" means the officer for the time being in charge of the Marine Department of Mormugao Port Trust and includes the Deputies and Assistants to the Deputy Conservator and any other Officers acting under the authority of the Deputy Conservator.
- (iii) "Form" means the form annexed to these regulations;
- (iv) "rates" means the rates or penalties payable under the Act,
- (v) words and expressions used in these regulations but not defined and defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

4. Distraint or arrest of vessels: (1) where any vessel in respect of which rates/penalties have not been paid is lying at the Port, a demand in Form I shall be made by the Deputy Conservator upon the Master of the defaulting vessel requiring the said Master to pay all the rates or penalties within the period of seven days from the date of issue of the said demand.

(2) The said demand shall accompany the copy of the bills containing the full particulars of rates or penalties which were raised against the owner or agent of the concerned vessel and payment of which still remains due to the Board.

(3) The said demand shall be served upon the Master and in the event of non-availability of the Master, the affixing of the demand notice on the mast of the vessel shall be deemed as service of the demand upon the Master.

(4) If the Master of the defaulting vessel refuses or neglects to pay the rates/penalties or any part thereof within the time limit specified in the demand made upon the Master, the Board may proceed to distraint or arrest such vessel and the tackle, apparel and furniture belonging thereto, or any part thereof and detain the same until the amount so due to the

Board, together with such further amount as may accrue for any period during which the vessel is under distraint or arrest, is paid.

(5) In order to distrain or arrest the defaulting vessel, the Deputy Conservator shall issue a warrant of arrest in Form II clearly specifying the amount due and indicating that the distraint or arrest shall continue until the amount so due to the Board together with further accrual of rates or penalties and costs are paid towards full satisfaction of the Board.

(6) (a) The warrant of arrest shall be served upon the Master of the vessel and a copy thereof shall also be affixed on the mast of the vessel.

(b) In cases where the Master is not available or avoids service of the warrant, the fixing of the copy of the warrant on the mast of the vessel shall be deemed as service of the warrant upon the Master.

(7) If the said rates/penalties or cost of the distraint or arrest of the vessel or of the keeping of the same are not paid by the owner or Master or agent of the vessel towards full satisfaction of the Board within a period of five days next after the distress or arrest has been made, the Board shall cause the vessel or other things so distrained or arrested to be sold.

(8) In the case of a foreign vessel placed under distraint or arrest by an order, the Embassy of the Flag Country and the Government of India in the Ministry of Surface Transport shall also be informed.

5. Sale of distrained or arrested vessel. (1) The Deputy Conservator shall have a valuation survey of the vessel carried out by approved Surveyors to ascertain the reserve sale price of the distrained vessel.

(2) The Deputy Conservator shall obtain the permission of the Director General, Shipping before putting the vessel and the tackle, apparel and furniture belonging thereto, to sale.

(3) The sale shall be held in accordance with the provisions of the Sale of Goods Act, 1930 and also in terms of the conditions of sale as per Tender Notice.

(4) Sealed tenders shall be invited from the prospective buyers through press advertisement, as in Form III, at least in four leading newspapers, including Hindi and one regional language daily, specifying the last date for the receipt of tenders.

(5) The prospective buyers shall be permitted to inspect the vessel after the sale notice is published in the Press, during a specified period which shall be fixed by the Deputy Conservator.

(6) Each tender shall be accompanied by an earnest money deposit, to be paid by bank draft, to be fixed by the Deputy Conservator in each case.

(7) The tenders received after the due date and time shall be summarily rejected.

(8) The sealed tenders shall be opened in the presence of tenderers present on the date and time fixed by the Deputy Conservator for opening the tenders and if any tenderer is not present at the time fixed for opening the tenders, his tender may be rejected without opening, giving the reasons.

(9) The acceptance of the offer shall be communicated to the successful tenderer.

(10) The successful tenderer shall pay 25% of the bid amount within five days from the date of acceptance of the tender and the balance amount within 15 days from that date. In addition to the tender value the successful tenderer will also deposit such money/bank guarantee for a value as determined by the Deputy Conservator as security deposit which will be returned within a period of 3 months after successful completion. However, no interest shall be paid by the port on the deposit so made:

(11) In default a payment of 25% of the bid amount within five days from the date of acceptance of the tender, the sale shall, unless otherwise ordered, stand automatically revoked, and the earnest money shall be forfeited, and the vessel shall be resold at the risk of the tenderer whose tender was accepted.

(12) If the vessel is not removed from the harbour for any reason within 30 days, additional berth hire charges beyond the normal charges, as laid down in the Port's Scale of Rates, shall be levied.

(13) Under no circumstances, the buyer shall be permitted to dismantle or break the ship inside the harbour or within the port limits, unless or otherwise it is specifically permitted to do so.

6. Liabilities of the buyer of the vessel:—

(1) On and from the date of acceptance of the tender all rates/penalties and other charges shall be to the buyer's account.

(2) Upon acceptance of the tender, the buyer shall deposit with the port an amount representing 30 day's port dues, fees and charges as may be estimated by the Deputy Conservator to be payable for such period.

(3) Customs and Excise duties, Sales Tax, Local Taxes, etc. shall be as applicable on buyer's account and he should remit the amounts on account of such

duties and taxes to the concerned authorities and produce the receipts for such payments before the clearance is granted to the vessel by the port.

(4) (a) Immediately after the acceptance of the tender the buyer shall make all arrangements for manning and maintenance of the vessel by a certificated master, certificated officers and certificated engineers, with an adequate number of crew during the period the vessel is kept inside the harbour.

(b) In case of failure by the buyer in making necessary arrangements for manning and maintaining the vessel, the port authorities may hire and employ proper persons for that purpose and all reasonable expenses incurred in this connection shall be recoverable from the buyer.

FORM-I

[See regulation 4(1)]

To

The Master,
m. v./S. S.

Subject : m. v. Rates/Penalties—Non-payment
of rates/penalties-Issue of Notice demanding immediate payment.

Sir,

Please refer to my letter cited. You were requested to pay a sum of Rs. _____ as on _____ towards the following rates/penalties payable under the provisions of the Major Port Trusts Act, 1963/ regulations or orders made thereunder due to the Port Trust on or before.....

1..... 2..... 3.....

No steps have so far been taken by you as the Master of the vessel, or by the Agents, to pay dues to the Port as demanded towards aforesaid rates/penalties.

As on _____ an amount of Rs. _____
is due from the vessel under your command.

2. Notice is hereby given to you for making the above payment in this seven days on receipt of this Notice, failing which provisions of section 64 of the Major Port Trusts Act, 1963 will be invoked to distrain or arrest the vessel and the tackle, apparel and furniture belonging thereto, or any part thereof, and detain the same until the amount so due to the Board, together with such further amount as may accrue

for any period during which the vessel is under distraint or arrest, is paid.

Yours faithfully,
Deputy Conservator

Copy to : M/s.

Owners of m. v.

Copy to : M/s.

Agents of the Vessel.

FORM - II

[See regulation 4(5)]

To

The Master,
m. v./S. S.

Subject : SHIPPING - m. v. Rates/penalties—
Non-payment of rates/penalties—Distrain
order—Issue of.

Ref:- My letter of even number dated.

Sir,

Please refer to my letter cited. You were requested to pay a sum of Rs. _____ as on _____ towards the Rates/penalties due to the _____ Port Trust on or before_____. No steps have so far been taken by you as master of the vessel or by the agents to pay the dues to the _____ Port Trust as demanded on_____. You are hereby notified that an approximate amount of Rs. _____ towards rates/penalties as on _____ is due from the vessel under your command.

In view of the non-payment of the above rates/penalties due to the _____ Board, I hereby pass orders in exercise of the powers given under the provisions of section 64 of the Major Port Trusts Act, 1963, that the vessel m. v. _____ is hereby distrained and will be kept under detention until the amount due to the _____ Board together with such further amount as may accrue for any period during which the vessel is distrained and detained is paid.

Please also note that in case the above said amount and the cost of the distraint is not settled within 5 days from the date of distraint order (i. e.) _____ I shall be constrained to sell the above vessel under the powers vested under section 64 of the said Act and the sale proceeds will be adjusted against the

charges due to the Board including the cost of the sale of the vessel.

Yours faithfully,
Deputy Conservator

Copy to : M/s.

Owners of m.v.

Copy to: M/s. Agent of the vessel.

FORM - III

[See regulation 5(4)]

ADVERTISEMENT

In exercise of the powers conferred by section 64 of the Major Port Trusts Act, 1963—
Port Trust invite sealed tenders from the intended purchasers for the sale of the vessel m. v.—
on "as is where is" basis.

2. Brief particulars of the vessel are as follows:—

Name of the vessel	_____
Year of Built	_____
G. R. T.	_____
N. R. T.	_____
Length	_____
Breadth	_____
Depth	_____
Deadweight	_____
Classification	_____
Engine	_____
B. H. P.	_____
I. D. T.	_____
Year of Built	_____
Yard	_____

3. Offers in double sealed covers are invited before _____ Hrs. on _____ addressed to the Deputy Conservator _____ Port Trust alongwith an Earnest Money Deposit of Rs. _____ (Rupees _____) by Bank Draft payable at _____ in favour of _____. The tender should be submitted superscribing on the envelop TENDER FOR THE PURCHASE OF M. V. _____

4. All tenders received after the due date and time will be summarily rejected.

5. The sealed tenders for the purchase of the vessel shall be opened on _____ in the presence of Deputy Conservator _____ Port Trust in his office. The acceptance of the offer will be communicated to the successful tenderer.

6. The successful tenderer shall pay 25% of the bid amount within five days from date of acceptance of the tender and the balance within 15 days from the date. No Bank Guarantee will be accepted. In default of payment of 25% of the bid amount within five days from the date of acceptance of the tender, the sale shall unless otherwise ordered, stand automatically revoked and the Earnest Money Deposit of Rs. _____

forfeited and the ship resold at the risk of cost of the tenderer, whose tender was accepted. Should the balance of sale consideration be not paid within the aforesaid time of 15 days from the acceptance of the tender, the sale shall stand automatically revoked and the earnest money of Rs. _____ be forfeited. The 25% amount already paid shall be retained to meet any shortfall or other expense arising out of the said resale.

7. Custom, Excise and import Duty, Sales Tax, Local Taxes, etc. as applicable on 'BUYERS ACCOUNT'.

8. The tenders will be opened on _____ at _____ in the presence of the Deputy Conservator _____ Port Trust in his office and the acceptance of any tender will be at the sole discretion of the Deputy Conservator, _____ Port Trust.

9. The ship should be removed from the _____ Port within 30 days from the date of sale. During this time the ship should be kept manned by certificated Master, certificated officers and certificated Engineers plus an adequate number of crew. These arrangements should be made by the Buyer.

10. The Buyer will have to pay all the rate/penalties from the date of sale of the vessel till the date of actual removal of the vessel from the harbour in accordance with the Major Port Trust (Distraint or Augt and sale of vessels) Regulations, 1987.

11. Under no circumstances, the Buyer will be permitted to dismantle the ship inside the harbour or within Port limits, unless or otherwise it is permitted to do so.

12. The ship which is lying at _____ may be inspected by prior appointment with the Deputy Conservator, from _____ to _____.

13. The Port reserves the right to reject any or all the tenders without assigning any reason whatsoever.

(PORT TRUST)